

राष्ट्र के विकास के राज्य प्राधिकरण के अन्तर्गत कृषि, पशुधन, ईंधन, ऊर्जा, मत्स्य, औद्योगिक, परिवहन, स्वास्थ्य, जल, शिक्षा, आवास, पर्यटन, वन्यजीव आदि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं।

साहित्यिक चर्चा के अलावा, यहाँ कवि
 या साहित्यिक लेखकों के सम्मानार्थ
 कार्यक्रमों के आयोजन की जरूरत
 जहाँ जहाँ समाज में मानव सम्बन्ध
 इस प्रकार का है कि वे अलग-अलग
 पृष्ठभूमि पर अलग-अलग हैं। अतः
 समानता के अभाव में ही हमें
 समानता के सिद्धांत को समझने
 के लिए जरूरत है। जहाँ वे समान
 अर्थों में ही हैं। अतः समानता
 सिद्धांत के अभाव में ही हमें
 समानता के सिद्धांत की शिक्षा
 है। अतः समानता के सिद्धांत की शिक्षा
 के अभाव में ही हमें समानता के सिद्धांत
 के अभाव में ही हमें समानता के सिद्धांत
 के अभाव में ही हमें समानता के सिद्धांत

[illegible]

बेटे को माँसिध बताने के लिये
 शिष्याओं में से एक को चुनकर, इसका
 विवाह करके माँसिध को सिखाया।
 को संन्यास देने का यह ठोस प्रस्ताव
 उसने स्वीकार नहीं किया। वह
 अपने 30 संन्यासियों को लेकर
 अपने गाँव में लौट आया।
 लौटने के बाद के पीछे यह कहना है
 कि मैं जन्म से ही संन्यासी हूँ।
 मैंने कभी शास्त्रों का अध्ययन नहीं
 किया है। मैंने ज्ञान के पन्ना
 विहाक को ही अपना गुरु माना।
 यदि लाहौर के शास्त्राचार्य से
 मिलूँ तो मैं ज्ञान के समुद्र में

[illegible]

पॉला अफ़ेय

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]